हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 09 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार, 12 मार्च से 18 मार्च 2021

हे प्रभु !

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए. जीवन को मजे के रूप में लीजिये झ क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है.

– अज्ञात

अनमोल विचार

अर्थ मनुष्य द्वारा बनाये गए हैं . और क्योंकि आप लगातार अर्थ जानने में लगे रहते हैं , इसलिए आप अर्थहीन महसूस करने लगते हैं.

– अज्ञात

नजरिया

कोई प्रबुद्ध कैसे बन सकता है? बन सकता है, क्योंकि वो प्रबुद्ध होता है– उसे बस इस तथ्य को पहचानना होता है.

–संपादक

ममता बनर्जी की हालत?

डॉक्टरों ने बताया दीदी का ताजा हाल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हालत अब स्थिर है और चिकित्सक सीटी स्कैन सहित कई और जांच करने की योजना बना रहे हैं ताकि चोटे कितनी गहरी हैं इसका पता लगाया जा सके। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में शाम को कथित हमले के बाद बनर्जी ने सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की थी और उन्हें यहां सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने बुधवार रात को की गई शुरूआती चिकित्सकीय जांच के बाद बताया था कि ममता बनर्जी के बायें पैर के टखने तथा पांव की हड्डियों में गंभीर चोट आयी हैं और उनके दायें कंधे, हाथ तथा गले पर भी चोट लगी है। एसएसकेएम के एक चिकित्सक ने कहा कि उनके बाएं टखने पर एक कच्चा प्लास्टर लगाया गया है और आज सुबह उनके रक्त की कई जांच की जाएगी। उनकी ईसीजी रिपोर्ट सामान्य आई है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की हालत अब स्थिर है। अगले 48 घंटे तक उनके स्वास्थ्य पर नजर रखी जाएगी। आज दिन में उनका सीटी स्कैन किया जा सकता है। हम एक बार फिर उनकी जांच करेंगे और रिपोर्ट के अनुरूप आगे के उपचार के संबंध में फैसला लेंगे। उनका बुखार भी कम हुआ है। पूर्वी मेदिनीपुर जिले में नंदीग्राम से बुधवार रात मुख्यमंत्री को अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका तत्काल एक्स-रे किया।

एसएसकेएम अस्पताल के वुडबर्न ब्लॉक के 12.5 विशेष केबिन में उनका इलाज चल रहा है। सरकारी अस्पताल में बनर्जी के उपचार के लिए नौ चिकित्सकों की टीम बनायी गयी है। नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान अज्ञात शरारती तत्वों ने कथित रूप से बनर्जी को धक्का दे दिया था।

अमानतुल्ला खान के बयान से विधानसभा में हंगामा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान द्वारा एक राजनीतिक पार्टी पर पिछले साल उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में भूमिका का आरोप लगाए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी भाजपा के विधायकों के बीच तीखी बहस हो गई। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने मार्शलों को भाजपा विधायक अनिल वाजपेयी को सदन से बाहर करने का निर्देश दिया। भाजपा विधायक अपना विरोध जताने के लिए सदन के बीचों बीच आ गए थे। विधानसभा अध्यक्ष ने इसके बाद भाजपा विधायक को पूरे दिन के लिए सदन से बाहर रहने का आदेश दिया।

CMउद्धव ठाकरे ने भी लिया कोरोना का टीका

पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य भी रहे साथ

मुंबई : महाराष्ट्र में एक तरफ जहां कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है, वहीं दूसरी तरफ कोरेन टीकाकरण अभियान भी तेजी से चला हुआ है.गुरूवार को महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने भी जेजे अस्पताल में कोरोना वैक्सीन ली. इस दौरान उनके साथ पत्नी रश्मि ठाकरे और बेटे आदित्य ठाकरे भी मौजूद रहे. राष्ट्रवादी कांग्रेस के अध्यक्ष शरद पवार पहले ही कोरोना का टीका लगवा चुके हैं. मिली जानकारी के मुताबिक जेजे अस्पताल में पहले मुख्यमंत्री की प्राथमिक जांच की गई. जिसके बाद सभी रिपोर्ट चेक करने के बाद उन्हें यह टीका लगाया गया. इस दौरान उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने भी कोरोना वैक्सीन ली. मुख्यमंत्री कार्यालय के ट्विटर अकाउंट के जरिए ट्वीट कर उद्धव ने कहा- कोविड-19 वैक्सीन को लेकर किसी तरह का डर या संशय रखने की जरूरत नहीं है. मैंने अभी वैक्सीन ली है और आप सबके सामने खड़ा हुआ हूँ मैं महाराष्ट्र के सभी नागरिकों से अपील करता हुँ कि जो वैक्सीन लेने के लिए तय मानकों के अंतर्गत आते है बिना किसी शक के वैक्सीन लें.

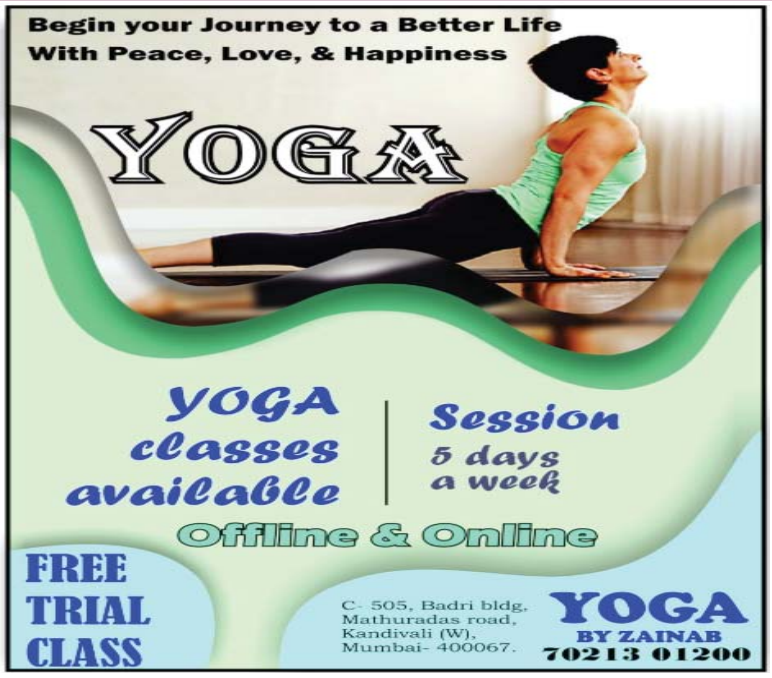

इतिहास की सबसे झूठी सरकार, देवेंद्र फडणवीस ने सरकार पर लगाए आरोप

मुंबईः महाराष्ट्र विधानमंडल का बजट सत्र 2021 खत्म होने पर विरोधी पक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने महा विकास आघाडी सरकार को अबतक की सबसे झूठी सरकार करार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी झूठी सरकार हमने कभी नहीं देखी, जो हर मुद्दे पर जनता को गुमराह करने का काम करती है।पत्रकारों से बात करते हुए विधानसभा में विरोधी पक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने महा विकास आघाडी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ठाणे के कारोबारी मनसुख हिरेन की मौत योजनाबद्ध तरीके से की गई है, जो आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला है। सरकार इसकी निष्पक्ष जांच नहीं कराना चाहती, क्योंकि इससे सरकार में शामिल कुछ लोगों को खतरा हो सकता है। हिरेन मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वाझे की गिरफ्तारी की मांग करते हुए फडणवीस ने कहा कि जिस प्रकार मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे वाझे का बचाव कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि वाझे को अधिवक्ता की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनकी वकालत खुद मुख्यमंत्री ठाकरे कर रहे हैं। फडणवीस ने आरोप भी लगाया कि शिवसेना नेतृत्व वाली राज्य सरकार इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच इसलिये नहीं कराना चाहती, क्योंकि इससे सरकार में बैठे कुछ रसूखदार बेनकाब हो जाएंगे। किसानों की बिजली कनेक्शन काटने पर फडणवीस ने कहा कि एक तरफ सरकार सदन में किसानों के बिजली कनेक्शन न काटने की घोषणा करती है, दूसरी तरफ सत्र समाप्त होने के बाद बिजली बिल न चुकाने वाले किसानों के बिजली कनेक्शन काटने का निर्देश देती है। इससे सरकार की दोहरी भूमिका स्पष्ट हो जाती है।

तिहाड़ जेल से भेजी गई थी मुकेश अंबानी को धमकी

जांच टीम को मिले अहम सुराग

मुंबईः मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास स्कॉर्पियो में पाए गए विस्फोटक और उनको मिली धमकी मामले में एक नई जानकारी जांच टीम के हाथ लगी है, जिसके मुताबिक यह धमकी तिहाड़ जेल से भेजी गयी थी। आपको बता दें कि जैश-उल-हिंद का नाम भी इस मामले में सामने आया था। इस संगठन ने दूसरे दिन टेलीग्राम एप्प के जरिये इस मामले की जिम्मेदारी ली थी और बाद में मुकर गया था। एटीएस सूत्रों के मुताबिक एपीआई सचिन वझे से तकरीबन 11 घंटे तक पूछताछ की गई है। जिस दिन एटीएस को यह जांच सौंपी गई थी उसी दिन एटीएस ने सचिन वझे को बुलाकर तकरीबन 11 घंटे तक उनका बयान दर्ज किया था और उनसे कई सवाल पूछे गए थे। हालांकि पूछताछ के बाद सचिन वझे को जाने दिया गया था। एटीएस फिर से सचिन बजे को पूछताछ के लिए बुला सकती है। विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो मिलने के बाद जांच टीम ने उसको अपने कब्जे में ले लिया था और स्कॉर्पियो फॉरेंसिक जांच की गई थी। जांच में पता चला था कि स्कार्पियो के चेचिस नंबर और इंजन नंबर को ग्राइंडर से मिटाने की कोशिश की गई थी। हालांकि कार का चेचिस नंबर और इंजन नंबर हासिल कर, कार मालिक की भी पहचान कर ली गई थी। जिनकी कुछ दिन पहले हत्या कर उनकी लाश को मुंब्रा की खाड़ी में फेंक दिया गया था।

केंद्र सरकार के पास है शहरों के नाम बदलने का अधिकार

मुंबईः शहरों के नाम बदलने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है, न कि राज्य सरकार के पास है। यह जानकारी विधानसभा में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दी। मुख्यमंत्री सदन में औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर करने के मामले पर जवाब दे रहे थे। बीजेपी विधायक योगेश सागर ने विधानसभा में मंगलवार को उठाए गए सवाल के जवाब में ठाकरे ने कहा कि, शहरों का नाम बदलना, केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, राज्य सरकारों के नहीं। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने का विस्तृत प्रस्ताव, विभागीय आयुक्त से 4 मार्च, 2020 को मिला था। उन्होंने कहा कि मामले के कानूनी पक्ष को देखते हुए कानून एवं न्याय विभाग से सुझाव मांगा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, सभी प्रकार की मंजूरी मिलने के बाद औरंगाबाद के डिविजनल आयुक्त का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा। गौरतलब है कि नाम बदलने का समर्थन करने वाली शिवसेना को इस मुद्दे पर अपने सहयोगी दल कांग्रेस से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में विपक्षी दल बीजेपी यह कहते हुए शिवसेना की आलोचना कर रही है कि उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने सत्ता में बने रहने के लिए अपनी पुरानी मांगों को त्याग दिया है। औरंगाबाद में इस साल निकाय चुनाव होने वाले हैं।

लॉकडाउन में शब-ए-बारात, इस बार ऐसे करें इबादत

मुंबईः केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी समेत मुस्लिम धर्म गुरुओं और संगठनों ने इस दौरान घर पर ही रहकर इबादत करने की अपील की है. मुस्लिम मजहब के लोग शब-ए-बारात को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं इसकी पूरी तैयारियां भी की जाती है. घरों में पकवान से लेकर मस्जिदों और संस्थानों में सजावट के लिए लाइट्स भी लगाई जाती है, लेकिन इस साल कोरोना संकट की वजह से माहौल अलग है. कोरोना का कहरः देश के कई शहरों में नाइट कर्फ्यू, तो कहीं धारा 144- क्या की दिशा में आगे बढ़ रहा भारत? केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, अधिकांश धर्म गुरूओं, धार्मिक-सामाजिक संगठनों ने शब-ए-बारात के दिन पूरी तरह से लॉकडाउन का ईमानदारी से पालन करने की अपील की है. सेन्ट्रल वक्फ काउंसिल के जरिए निर्देश दिया गया है कि सभी राज्यों के वक्फ बोर्ड लॉकडाउन, सोशल डिस्टेंन्सिंग के दिशा-निर्देशों का पालन कराने में प्रशासन की मदद करें और लोगों से शब-ए-बारात के दिन घरों में ही इबादत के लिए अपील करें. नकवी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर लॉकडाउन एवं सोशल डिस्टेंन्सिंग का देश गभीरता से पालन कर रहा है. हमारी किसी भी तरह की लापरवाही हमारे परिवार, पूरे समाज और राष्ट्र के लिए परेशानी बढ़ा सकती है.

नागपुर के बाद महाराष्ट्र के कुछ और शहरों में लगेगा लॉकडाउन? सीएम उद्धव ठाकरे ने दिए संकेत

मुंबई : महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे का कहना है कि राज्य में कोरोना से निपटने के लिए कुछ शहरों में लॉकडाउन लागू किया जा सकता है। उनका कहना है कि राज्य में कोरोना के बढ़ते मामलों को थामने के लिए ऐसा किया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि अभी कोरोना संक्रमण से स्थिति बेकाबू नहीं हुई है। मुंबई के जेजे अस्पताल में कोरोना वायरस के टीके की डोज लेने के बाद उद्धव ठाकरे ने यह बात कही। सीएम ने कहा, ह्यअगले कुछ दिनों में हम कुछ स्थानों पर लॉकडाउन कर सकते हैं। हमें छोटे टुकड़ों में ऐसा करना है। हालांकि अब भी स्थिति नियंत्रण से बाहर नहीं है। सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ स्थानों पर कड़ा लॉकडाउन भी लग सकता है। इस संबंध में जल्दी ही फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा कोरोना वैक्सीन लगवाने के बाद सीएम उद्धव ठाकरे ने लोगों को टीका लगवाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वैक्सीन को लेकर किसी भी तरह की हिचक या घबराहट में रहने की जरूरत नहीं है। मैं उन लोगों अपील करता हूं कि जल्दी से जल्दी कोरोना का टीकाकरण करवाएं, जो इसके दायरे में आते हैं। बता दें कि उद्धव ठाकरे ने भी भारत बायोटेक की बनी हुई कोवैक्सीन लगवाई है। उद्धव ठाकरे के साथ ही उनकी पत्नी रश्मि और मां ने भी कोरोना वैक्सीन की डोज ली।

BJP के दबाव के बाद महाराष्ट्र सरकार ने सचिन वझे का किया क्राइम ब्रांच से तबादला

अनिल देशमुख ने की घोषणा

मुंबई: बीजेपी के बढ़ते दबाव के चलते गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को मनसुख हिरेन हत्या मामले में एपीआई सचिन वझे को क्राइम ब्रांच से हटाने का आदेश दिया है। अब सचिन वझे को पुलिस महकमे में किसी दूसरे विभाग में ट्रांसफर किया जाएगा। अनिल देशमुख ने इस बात की जानकारी महाराष्ट्र विधानसभा में दी।

आपको बता दें कि मनसुख हिरेन की पत्नी विमला हिरेन ने सचिन वझे पर उनके पति की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि वझे ने उनके पति से कहा था कि वह एंटीलिया मामले में गिरफ्तार हो जाएं उसके बाद वह उनकी बेल करवा देंगे।

फडणवीस ने विधानसभा में लगाया आरोप

मनसुख हिरेन की हत्या मामले में महाराष्ट्र के नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि सचिन वझे ने मनसुख का कत्ल किया है। उन्होंने कहा कि यह आरोप एक मनसुख की पत्नी ने लगाया है। मनसुख की पत्नी ने यह भी सवाल उठाए हैं कि उस रात को आखिर वो घर 40 किलोमीटर दूर क्यों गए? फडणवीस ने सदन में यह भी कहा कि साल 2017 में एक एक्सटॉर्शन की एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसमें से एक आरोपी खुद सचिन वझे भी थे। उन्होंने यह भी सवाल उठाए कि सचिन वझे को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। उनके खिलाफ कई सबूत थे। धारा 201 के तहत उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई। फडणवीस ने मांग की है कि सचिन वझे की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

ठाणे के मुंब्रा की खाड़ी से मिली लाश

उद्योगपति मुकेश अंबानी धमकी मामले में स्कार्पियो मालिक मनसुख हिरेन की लाश ठाणे के मुंब्रा इलाके की खाड़ी से मिली थी। परिवार और पड़ोसियों का कहना है की हिरेन जिंदादिल इंसान थे। वे कभी आत्महत्या नहीं कर सकते हिरेन सोसाइटी में बच्चों को स्विमिंग भी सिखाते थे। इसलिए डूबने से भी मौत का सवाल पैदा नहीं होता है। मनसुख के पड़ोसी बताते हैं, वे एक अच्छे और मिलनसार इंसान थे। हम दस पंद्रह साल से एक दूसरे को जानते थे। ये सब कैसे हो गया समझ मे नहीं आ रहा है।

दो जगहों पर आभूषण व वाहन चोरी,मामला दर्ज

नालासोपारा : पूर्व के अलग - अलग जगहों पर अज्ञात चोर द्वारा आभूषण व वाहन चोरी कर फरार होने की घटना सामने आई है। तुलिंज पुलिस ने दोनों मामले में अज्ञात चोर पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार,अजीत रामचंद्र माली (23),निवासी-अग्रवाल रोड, फायर ब्रिगेड स्थित रहता है। शिकायत में पुलिस को बताया कि,17 जनवरी को रात्रि 2 बजे व 8 बजे के दरम्यान अज्ञात चोर द्वारा घर की खिड़की का किचन तोड़कर, घर मे प्रवेश कर विभिन्न प्रकार (4 मोबाइल फोन,सोने की चैन) कुलमिलाकर 64,000 रुपये का समान की चोरी हुई है। दूसरी घटना,बुध्दसिंह लालसिंह राजपुरोहित (48),निवासी-आचोले रोड, नालासोपारा पूर्व ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया है कि,17 जनवरी को सुबह 10 बजे के आसपास मानसरोवर बिल्डिंग के सामने स्कूटी क्र. एम.एच 48-ए.एच 1520 खड़ी किया था। लेकिन किसी अज्ञात चोर ने उक्त स्कूटी (कीमत- 15,000 रुपये) को चोरी कर फरार हो गया। तुलिंज पुलिस ने दोनों मामले में अज्ञात चोर पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुटी है।

2,500 करोड़ के पौधारोपण की जड़ तक जाएगी सरकार

मुंबई: पूर्ववर्ती बीजेपी की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने अपने कार्यकाल में करीब 2,500 करोड़ रुपये खर्च कर 33 करोड़ पौधारोपण किया था, जिसकी जांच के लिए महाविकास आघाडी सरकार ने 16 विधायकों की समिति गठित की है। समिति को 4 महीने के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। बता दें कि 2014 से 2019 के बीच तत्कालीन फडणवीस सरकार के वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, जो उस समय वित्त मंत्री भी थे, ने राज्यभर में 33 करोड़ पौधारोपण की विशेष मुहिम शुरू की थी। इस मुहिम पर सरकारी तिजोरी से 2429.78 रुपये खर्च किए गए थे।

पिछले सप्ताह विधानसभा में शिवसेना ने यह मुद्दा सदन में उठाया और इसके बारे में सरकार से सवाल पूछे। जवाब में वन मंत्रालय की तरफ से सदन को बताया गया कि इस मुहिम के तहत 28 करोड़ 27 हजार पौधे रोपे गए, जिनमें से अक्टूबर 2020 तक 75.63 फीसद पौधे जिंदा थे, बाकी तकरीबन 25 प्रतिशत यानी तकरीबन 7 करोड़ पौधे नष्ट हो गए। वन मंत्रालय के इस सवाल पर सदस्यों ने सवाल उठाया कि 2,500 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी 7 करोड़ पौधे नष्ट कैसे हो सकते हैं? सदस्यों ने इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग सदन में की थी। उसी समय सरकार ने संयुक्त विधानमंडल समिति से इसकी जांच कराने और चार से छह महीने के भीतर रिपोर्ट सदन में पेश करने का आश्वासन दिया था।बुधवार को वन राज्यमंत्री दत्तात्रय भरणे की अध्यक्षता में 16 सदस्यीय जांच समिति का प्रस्ताव किया गया। जांच समिति में नाना पाटोले, सुनील प्रभु, उदय सिंह राजपूत, बालाजी किणीकर, अशोक पवार, माणिकराव कोकाटे, सुनील भुसारा, शेखर निकम, सुभाष धोटे, अमित झनक, संग्राम थोपटे, आशीष शेलार, नितेश राणे, अतुल भातखलकर, समीर कुणवाकर, नरेंद्र भोडेकर को शामिल किया गया है। 16 सदस्यों की इस जांच समिति के गठन के प्रस्ताव को विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झिरवल ने स्वीकार कर लिया।

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

संपादकीय

नंदीग्राम का संग्राम

विधानसभा चुनाव वैसे तो पांच राज्यों में हो रहे हैं, लेकिन जिस एक विधानसभा सीट पर न सिर्फ पूरे देश, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में दिलचस्पी रखने वाले बाहर के लोगों की निगाहें भी केंद्रित हो गई हैं, वह है पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट। तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज यहां से अपना नामांकन दाखिल कर रही हैं, जबकि उनके मुकाबले में भाजपा ने हाल ही में तृणमूल छोड़कर आए शुभेंदु अधिकारी को उतारा है। शुभेंदु इस इलाके से लंबे समय से संसद व विधानसभा में पहुंचते रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने 80 हजार से भी अधिक वोटों से वाम मोर्चे के प्रत्याशी को हराया था। इसके बावजूद ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला करके शायद अपने कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने का काम किया है कि वह जोखिम से घबराने वाली नेता नहीं हैं। ममता बनर्जी के राजनीतिक उत्थान में सिंगूर और नंदीग्राम का काफी महत्व है। वाम मोर्चे की साढ़े.तीन दशक पुरानी सत्ता को खत्म करने में नंदीग्राम आंदोलन ने कितनी बड़ी भूमिका निभाई थी, यह देश जानता है। पिछले एक दशक से यह तृणमूल का गढ़ रहा है। ऐसे में, इस पर किसी अन्य दल को पांव जमाने से रोकने के लिए ममता के पास इससे बेहतर और कोई दांव हो भी नहीं सकता था। इस चुनावी संग्राम को जैसे उन्होंने तृणमूल के वजूद से जोड़ दिया है। लेकिन इस बार उनके सामने वह भाजपा है, जो प्रचुर संसाधनों, धारदार प्रचार अभियानों के साथ-साथ अभी नहीं, तो कभी नहीं की रणनीति पर हर चुनाव लड़ने में यकीन रखती है। पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव किस तरह विकास के स्थानीय मुद्दों के बजाय ध्रुवीकरण के खेल में उलझ गया है, इसको नंदीग्राम बता रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र में बहुसंख्यक मतदाता अधिक हैं, और भाजपा ह्वजय श्रीराम के नारे के साथ उन्हें अपने पाले में करने के लिए काफी प्रखर चुनाव अभियान चला रही है। ममता बनर्जी ने कल नंदीग्राम की जनसभा में जिस तरह से ह्वचंडी पाठ किया और लोगों से कहा कि वह शवरात्रि भी उनके बीच ही मनाएंगी, यह उजागर करता है कि धार्मिक ध्रुवीकरण की चुनौती उनके लिए कितनी अहम हो चली है।

भारतीय राजनीति के लिए यह चिंता की बात है कि जब मतदाताओं के पास हिसाब-किताब का मौका आता है, तब हमारा राजनीतिक वर्ग उन्हें जमीनी मुद्दों से दूर करने में कामयाब हो जाता है और अक्सर भावनात्मक, धार्मिक मसले निर्णायक भूमिका अख्तियार कर लेते हैं! पिछले एक दशक से जो पार्टी सूबे की तरक्की और खुशहाली के वादे पर राज कर रही है

होता सबका साथ तो न जाती कुरसी

त्रिवेंद्र सिंह रावत की सरकार चार साल पूरे करने का जश्न मनाने की तैयारियां कर रही थी। राजधानी में होर्डिंग लग चुके थे। 18 तारीख को देहरादून समेत समूचे राज्य में विधानसभा क्षेत्रवार जलसे कराने का एलान किया जा चुका था। मुख्यमंत्री पूरे आत्मविश्वास से बजट सत्र के लिए शीतकालीन राजधानी गैरसैंण पहुंचे। वहां बजट भाषण के दौरान 4 मार्च को नई कमिश्नरी का एलान करके सबको चौंका दिया। भारी बहुमत वाली सरकार पर किसी तरह के संकट का आभास न था। यहां तक कि मुख्यमंत्री और उनकी सरकार को भी इस सियासी तूफान का अंदाजा नहीं था। उत्तराखंड की विधानसभा के कुल 70 में से 57 विधायकों के भारी बहुमत वाली सरकार ने कभी सोचा तक नहीं कि हालात चार दिन में पलट जाएंगे। त्रिवेंद्र सिंह रावत को आखिरकार चार साल पूरा करने का जश्न मनाने का मौका भी नहीं मिल सका और उन्हें मुख्यमंत्री पद खोना पड़ा। उत्तराखंड के लिए हालांकि, यह नया अनुभव नहीं है। 21 साल में इस राज्य ने 10 मुख्यमंत्री देख लिए हैं। 11वें मुख्यमंत्री की नियुक्ति आज होने की संभावना है। भाजपा को करीब 11 साल राज्य में सरकार चलाने का मौका मिला। इस अवधि में पार्टी ने राज्य में पांच मुख्यमंत्रियों का प्रयोग कर डाला। भाजपा का एक भी मुख्यमंत्री अब तक पांच साल स्थिर सरकार नहीं दे पाया। इसके पीछे गुटीय राजनीति और असंतोष प्रमुख कारण रहे। भाजपा के मुख्यमंत्रियों में त्रिवेंद्र सिंह रावत को सबसे अधिक करीब चार साल सत्ता में रहने का मौका मिला। करीब तीन चौथाई बहुमत वाली सरकार के मुख्यमंत्री को ऊपरी तौर पर कोई खतरा नजर नहीं आ रहा था। फिर नरेंद्र मोदी और अमित शाह के जमाने की भाजपा में आम धारणा यह बनी है कि यहां मुख्यमंत्री बनाए जाते हैं, बदले नहीं जाते। त्रिवेंद्र सिंह रावत को पार्टी हाईकमान में अच्छी पकड़ वाला नेता भी माना जाता रहा है। अब सवाल यह है कि ऐसी सुविधाजनक स्थिति में मुख्यमंत्री को कुरसी गंवानी क्यों पड़ी? दरअसल, तीन साल पूरा करते-करते कई विधायक सरकार से शिकायत करने लगे थे। सबसे पहले नौकरशाही को लेकर विधायकों की नाराजगी सामने आई। कुछ जिलाधिकारियों और सचिवालय के नौकरशाहों के रवैये पर पहले विधायकों और फिर मंत्रियों ने सवाल उठाए। कई अफसर मंत्रियों की बात भी सुनने को तैयार नहीं थे। खुद कैबिनेट मंत्री और सरकार के प्रवक्ता मदन कौशिक, सतपाल महाराज, डिप्टी स्पीकर रघुनाथ सिंह चौहान, राज्य मंत्री रेखा आर्या को खुले तौर पर अफसरों को चेतावनी देनी पड़ी। कई अफसर तो मंत्रियों की बैठक में नहीं आ रहे थे। भाजपा के वरिष्ठ विधायक बिशन सिंह चुफाल, पूरन फत्र्याल और राजेश शुक्ला आदि ने राज्य सरकार और पार्टी के स्तर पर ऐसे कई मामले उठाए, लेकिन इन सबको अनसुना कर दिया गया। हरिद्वार के एक विधायक ने खुलकर सरकार के खिलाफ बयान दिए।

सरकार के कुछ वरिष्ठ अफसर मनमाने आदेश कर रहे थे या फिर मनमाने तरीके से उन्हें बदल रहे थे। कुछ जूनियर अफसर सीनियर अफसरों पर भारी पड़ते दिखे। आम जनता में नौकरशाही के बेलगाम हो जाने का संदेश गया। मुख्यमंत्री के हाईकमान में अच्छे संपर्कों की चर्चा अक्सर हुई, लेकिन दिल्ली में प्रदेश से जुड़े नेताओं से सामंजस्य बनाने में लापरवाही बरती गई। एक उदाहरण हाल का ही है। राज्यसभा सदस्य और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने पीयूष गोयल से मिलकर उत्तराखंड के लिए दो नई ट्रेनें मंजूर करवाईं। एक दिल्ली से टनकपुर और दूसरी दिल्ली से कोटद्वार। दोनों मौकों पर सरकार ने कोई उत्साह नहीं दिखाया, बल्कि ट्रेन की शुरूआत के दिन कोटद्वार का नाम बदलकर कण्वनगरी कर दिया गया। इसका संदेश यह गया कि सरकार ने ट्रेन चलाने के आयोजन को काउंटर करने के लिए ऐसा किया है। माना जा रहा है कि यह मुद्दा भी पार्टी के शीर्ष नेताओं तक पहुंचाया गया। भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी सरकार के रवैये को लेकर संतुष्ट नहीं दिख रहा था। विधायकों, मंत्रियों की नाराजगी के साथ संघ से सरकार की कथित दूरी का अर्थ है कि त्रिवेंद्र रावत की सरकार ह्वसबका साथह्न का नारा अपनी ही पार्टी में लागू नहीं कर सकी। रावत को अंदर ही अंदर चारों ओर से घेरा जा रहा था और उन्हें भनक तक नहीं लगी। त्रिवेंद्र सरकार की सबसे बड़ी कमजोरी यह थी

घर-संसार

आ रही शनि अमावस्या, जानिए शुभ मुहूर्त, शनि देव को प्रसन्न करने के आसान उपाय

बहुत महत्वपूर्ण होता है जो न्याय के देवता शनि की प्रकोप से बचना चाहते हैं या जिनकी कुंडली में शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढय्या है। 13 मार्च, शनिवार को फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या है। 12 मार्च को 15:04:32 से अमावस्या आरंभ होगी, जो 13 मार्च को 15:52:49 बजे तक रहेगी। शनिश्चरी अमावस्या के दिन की गई शनि की आराधना का फल अवश्य मिलता है। पितृ दोष से भी मुक्ति के उपाय किए जाते हैं। इस दिन नदियों में स्नान के साथ ही दान धर्म का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन शनि देव को प्रसन्न कर नौकरी में उन्नति, व्यापार में वृद्धि, घर-परिवार में सुख शांति प्राप्त की जा सकती है। जानिए के दिन किए जाने वाले उपायों के बारे में शास्त्रों में उल्लेख है कि इस दिन शनि मंदिर का दर्शन अवश्य करना चाहिए और शनि देव को तेल चढ़ाना चाहिए। शनि अमावस्या के दिन ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप करें और शनि चालीसा का पाठ करें। जिन लोगों की कुंडली में शनि की दशा ठीक नहीं है, वे इस दिन पीपल और शमी के पेड़ की पूजा करें। पीपल के पेड़ के नीचे तेल का दीपक लगाने से जीवन की हर बाधा दूर हो सकती है। के दिन किसी का बुरा न करें। कोई ऐसी बात न करें, जिससे दूसरों का आघात पहुंचे या उनके मन को दुख पहुंचे। किसी के साथ के दिन शनि मंदिर के साथ ही हनुमान मंदिर में दर्शन अवश्य करें। इस दिन हनुमान चालीसा का पाठ शनि से जुड़ी हर समस्या से बचाता है। शास्त्रों में शनि देव और हनुमाजी को एक दूसरे का परम मित्र बताया गया है। इस दिन गोमाता की सेवा का पूरा फल मिलता है।

पिछली बार 25 प्रतिशत निरक्षर और 47 फीसदी प्राइमरी पास चुने गए थे ग्राम प्रधान

प्रयागराज

प्रयागराज जिले में 172 ऐसे ग्राम प्रधान चुने गए थे, जो अंगूठाछाप थे। खास बात यह है कि ऐसे सर्वाधिक 26 ग्राम प्रधान उस करछना ब्लाक से चुने गए थे, जो शहर से सटे ब्लॉकों में से एक है। निरक्षर ग्राम प्रधानों की संख्या के लिहाज से कौड़िहार जिले में दूसरे स्थान पर था। इस ब्लॉक के 21 ग्राम प्रधान निरक्षर थे तो कोरांव ब्लॉक के 15 ग्राम प्रधान निरक्षर थे। तब जिले में 20 ब्लॉक थे और कोई ऐसा ब्लॉक नहीं था, जहां से निरक्षर ग्राम प्रधान न चुने गए हों। धनूपुर और चाका ब्लाक से 12-12, बहादुरपुर से 11 तो मेजा, बहरिया और मांडा से 8-8 निरक्षरों को ग्राम प्रधानी की कमान मिली थी। हंडिया और कौंधियारा से 7-7, प्रतापपुर से 6, शंकरगढ़ और सैदाबाद से पांच-पांच तो उरूवा, सोरांव और फूलपुर से चार-चार निरक्षर ग्राम प्रधान थे। होलागढ़ में 3 तो जसरा से सबसे कम दो निरक्षर ग्राम प्रधान थे।660 प्रधान सिर्फ प्राइमरी पास थे पिछले चुनाव में प्रयागराज जिले में 1638 ग्राम पंचायतें थीं। इनमें 660 ग्राम पंचायतों के मुखिया सिर्फ प्राइमरी पास थे। 137 जूनियर हाईस्कूल, 271 हाईस्कूल तो 215 इंटर पास थे। वहीं 119 ग्राम प्रधान ऐसे भी चुने गए थे, जिनके पास स्नातक की डिग्री थी तो परास्नातक तक पढ़ाई करने वाले 63 लोग ग्राम प्रधान चुने गए थे। पिछले चुनाव में जिले में 663 निरक्षर क्षेत्र पंचायत सदस्य चुने गए थे। वहीं, पूरे प्रदेश से चुने क्षेत्र पंचायत प्रमुखों में 94 निरक्षर थे। इस 94 में एक प्रमुख यमुनापार इलाके के भी थे। पिछले चुनाव में 92 जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए थे।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह अचानक नैनी से फतेहगढ़ जेल भेजा गया, विरोधी गुटों से खतरे की थी आशंका

जौनपुरः के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को शासन के आदेश पर गुरुवार को सेंट्रल जेल नैनी से फतेहगढ़ जेल ट्रांसफर कर दिया गया। गुरुवार की सुबह 10 बजे भारी पुलिस अभिरक्षा के बीच जेल प्रशासन ने धनंजय को फतेहगढ़ जेल भेजा। 5 मार्च को धनंजय सिंह को प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट में सरेंडर करने के बाद नैनी जेल भेजा गया था। इसके बाद से उसे नैनी सेंट्रल जेल में रखा गया था। वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीएन पांडेय ने बताया कि शासन के आदेश पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह को फतेहगढ़ जेल भेज दिया गया। धनंजय के नैनी जेल पहुंचने के बाद से खलबली मची थी। जेल में बंद धनंजय के विरोधियों को देखते हुए जेल प्रशासन को सतर्क कर दिया गया था। वैसे तो जेल प्रशासन ने पूर्व सांसद को सामान्य कैदी की तरह ही जेल में रखा है, लेकिन उनकी सुरक्षा का विशेष प्रबंध किया गया था। बंदी रक्षकों के साथ उस बैरक के आगे पीएसी की तैनाती भी की गई थी। धनंजय सिंह को लखनऊ पुलिस ने अजीत सिंह की हत्या की साजिश में आरोपी बनाया है। उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित कर दिया था। इनाम घोषित होते ही धनंजय ने पुराने मामले में जमानत वापस करा कर प्रयागराज के एमपी एमएलए कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने धनंजय सिंह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। ईडी का भी धनंजय पर कस रहा है शिकंजा धनंजय सिंह पर आरोप है कि अपराध के बूते करोड़ों रुपये की सम्पत्ति अर्जित की है। दिल्ली, जौनपुर, वाराणसी, मऊ, फतेहगढ़, बाराबंकी में कई फ्लैट व मकान, पेट्रोल पम्प है।

बिहार-झारखंड का किडनैपर किंग चंदन सोनार MP के सिंगरौली से गिरफ्तार

10 साल से 5 राज्यों की पुलिस को थी तलाश

पटना : बिहार-झारखंड में किडनैपर किंग कहा जाने वाला चंदन सोनार मध्य प्रदेश के सिंगरौली से गिरफ्तार हो गया है। चंदर सोनार के आतंक का कारोबार देश के चार राज्यों बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात और पश्चिम बंगाल तक फैला था। वह रांची में होटल कावेरी के संचालक लव भाटिया, ज्वेलर परेश मुखर्जी, जमीन कारोबारी मदन सिंह के बेटे के अपहरण में था शामिल। रांची के ही अपराधियों के साथ मिलकर गुजरात के हीरा व्यवसायी सोहैल हिंगोरा का अपहरण भी उसी ने किया था। चंदन सोनार, सिंगरौली में 10 साल से होटल कारोबारी चंद्रमोहन के नाम से रहता था। उसे बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चंदन सोनार का आतंक किस तरह का है यह इससे समझा जा सकता है कि उसका नाम सुनते ही बिहार, झारखंड, छतीसगढ़, गुजरात और पश्चिमबंगाल के कई उद्योगपति और व्यापारी कांप जाते हैं। कई व्यापारियों का अपहरण कर वह करोड़ों की फिरौती वसूल चुका है। पिछले 10 सालों से वह मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में अपनी पहचान बदलकर होटल कारोबारी चंद्रमोहन के नाम से रह रहा था। स्थानीय पुलिस उसकी असली पहचान से नावाकिफ थी। होटल व्यवसायी के पीछे छिपे उसके खतरनाक रूप की पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

राज्य निर्वाचन आयोग की याचिका पर ईवीएम मामले में पटना हाईकोर्ट में सुनवाई

पटना। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 12 मार्च को पुनः इस याचिका पर सुनवाई होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार न्यायालय के निर्णय के बाद ही ईवीएम की आपूर्ति शुरू हो पाएगी। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया में विलंब होने की संभावना बढ़ गयी है। आयोग ने दस चरणों में आम चुनाव कराने की तैयारी की है और इसके लिए जिलों से सुझाव मांगे गए हैं।जानकारी के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार के पंचायत चुनाव को लेकर मॉडल-3 ईवीएम की खरीद को लेकर अनापत्ति प्रमाण पत्र देना है, जो अबतक संबंधित आपूर्तिकर्ता कंपनी को नहीं मिला है। इस कारण, ईवीएम की आपूर्ति राज्य निर्वाचन आयोग को नहीं हो पायी है। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस मामले को लेकर पटना उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। जानकारी के अनुसार पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग सीधे भारत निर्वाचन आयोग के संपर्क में भी है। हाल ही में, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य निर्वाचन आयोग ने अपना पक्ष भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष रखा है। जबकि इसके पूर्व पत्रों के माध्यम से भी ईवीएम की खरीद के लिए संबंधित आपूर्तिकर्ता को अनापत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने का अनुरोध किया है।पंचायत चुनाव प्रक्रिया पूरी होने में एक माह की देरी बिहार में पंचायत आम चुनाव 2021 की प्रक्रिया पूरी होने में एक माह की देरी होगी।

कविता

सोचना-विचारना और जीना- ओशो

मनुष्य का विकास मस्तिष्क की तरफ हुआ है। मनुष्य मस्तिष्क से भरा है गौतम बुद्ध की वाणी अनूठी है। और विशेषकर उन्हें, जो सोच-विचार, चिंतन-मनन, विमर्श के आदी हैं हृदय से भरे हुए लोग सुगमता से परमात्मा की तरफ चले जाते हैं। लेकिन हृदय से भरे हुए लोग कहां हैं? और हृदय से भरने का कोई उपाय भी तो नहीं है। हो तो हो, न हो तो न हो। ऐसी आकस्मिक, नैसर्गिक बात पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। बुद्ध ने उनको चेताया जिनको चेताना सर्वाधिक कठिन है- विचार से भरे लोग, बुद्धिवादी, चिंतन-मननशील। प्रेम और भाव से भरे लोग तो परमात्मा की तरफ सरलता से झुक जाते हैं; उन्हें झुकाना नहीं पड़ता। उनसे कोई न भी कहे, तो भी वे पहुंच जाते हैं; उन्हें पहुंचाना नहीं पड़ता। लेकिन वे तो बहुत थोड़े हैं, और उनकी संख्या रोज थोड़ी होती गयी है। उंगलियों पर गिने जा सकें, ऐसे लोग हैं। मुनष्य का विकास मस्तिष्क की तरफ हुआ है। मनुष्य मस्तिष्क से भरा है। इसलिए जहां जीसस हार जाएं, जहां कृष्ण की पकड़ न बैठे, वहां भी बुद्ध नहीं हारते हैं; वहां भी बुद्ध प्राणों के अंतरतम में पहुंच जाते हैं। बुद्ध का धर्म बुद्धि का धर्म कहा गया है। बुद्धि पर उनका आदि तो है, अंत नहीं। शुरूआत बुद्धि से है। प्रारंभ बुद्धि से है। क्योंकि मनुष्य वहां खड़ा है। लेकिन अंत, अंत उसका बुद्धि में नहीं है। अंत तो परम अतिक्रमण है, जहां सब विचार खो जाते हैं, सब बुद्धिमत्ता विसर्जित हो जाती है; जहां केवल साक्षी, मात्र साक्षी शेष रह जाता है। लेकिन बुद्ध का प्रभाव उन लोगों में तत्क्षण अनुभव होता है जो सोच-विचार में कुशल हैं। बुद्ध के साथ मनुष्य-जाति का एक नया अध्याय शुरू हुआ। पच्चीस सौ वर्ष पहले बुद्ध ने वह कहा जो आज भी सार्थक मालूम पड़ेगा, और जो आने वाली सदियों तक सार्थक रहेगा। बुद्ध ने विश्लेषण दिया, एनालिसिस दी। और जैसा सूक्ष्म विश्लेषण उन्होंने किया, कभी किसी ने न किया था.

निया शर्मा ने बीच सड़क पर गाड़ी रोक किया डांस

एक्ट्रेस निया शर्मा हमेशा अपनी ग्लैमरस फोटो और वीडियो की वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव निया ने एक बार फिर से अपनी लेटेस्ट वीडियो से इंटरनेट पर आग लगा दी है। वीडियो में निया आधी रात को सुनसान सड़क पर डांस करते हुए दिख रही हैं। इस वीडियो में वह अपनी दोस्त के संग नजर आ रही हैं। वीडियो में निया और उनकी दोस्त ब्लैक कलर के आउटफिट में अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाती हुई दिख रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि दोनों इंग्लिश गाने डांस कर रही हैं। वीडियो में केवल स्ट्रीट लाइट जल रही है और दोनों की गाड़ी बीच सड़क पर पार्क दिखाई दे रही है। निया शर्मा इस वीडियो में काफी खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो की शुरूआत में निया पहले कैटवॉक करती हैं फिर अपने कातिलाना डांस मूव्स से सभी का दिल जीत लेती हैं। नीतू कपूर ने बताया पति ऋषि कपूर के गुजरने के बाद क्यों शूरू कर दी थी फिल्म ह्यजुग जुग जियोह्व शूटिंग? निया की वीडियो आए दिन वायरल होती रहती हैं। निया के हॉटनेस ने पहले भी खूब हंगामा मचाया है। इससे पहले वह स्विमिंग पूल के किनारे आधी रात को कैटवॉक करते हुए अपना वीडियो शेयर किया था। जो लोगों को खूब पसंद आया था। निया के करियर की बात करें तो निया ने टीवी की दुनिया में सीरियल काली के जरिए कदम रखा था। इसके बाद निया शर्मा सीरियल एक हजारों में मेर बहना है में दिखाई दी थीं, जिससे उन्होंने खूब लोकप्रियता भी हासिल की। निया शर्मा ने जमाई राजा में रवि दुबे के साथ मुख्य भूमिका अदा की, जिसने लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हाल ही में निया शर्मा खतरों के खिलाड़ी की विजेता बनी थीं। आखिरी बार निया शर्मा को टीवी शो नागिन में देखा गया था।निया इन दिनों वेब शो ह्यजमाई राजा 2.0ह्व को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। इस वेब शो में वह एक बार फिर से रवि दुबे के संग दिखाई देने वाली हैं। इस बार इस शो में निया काफी बोल्ड और इंटिमेट किसिंग सीन देते

आंवले की गुठली नहीं है किसी से कम, आंखों से लेकर स्किन की समस्याओं को करे दूर

आयुर्वेद में आंवले का काफी महत्व होता है। नियमित रूप से आंवले का सेवन करने से कई गंभीर से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। आंवला विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। इतना ही नहीं, आंवले में कैल्शियम, पोटैशियम, कैरोटीन, आयरन, फाइबर, कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन, विटामिन ए और बी जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। आंवले का सेवम किसी भी रूप में करने से आपके सेहत को फायदा पहुंच सकता है। आयुर्वेद में आंवला का फल, बीज, पत्ते, छाल और जड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। आंवले की गुठलियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हैं। आइए जानते हैं आंवले की गुठलियों के फायदे और किस तरह करें इसका सेवनआंखों की समस्याओं को दूर करने में आंवले की गुठली काफी फायदेमंद होती है। इसके सेवन से आप आंख में खुजली, जलन, लालिमा जैसी शिकायत को दूर कर सकते हैं। नियमित रूप से आंवले की गुठली को पीसकर पानी में मिलाकर पीने से आपकी आंखे स्वस्थ रहेंगी। इसके अलावा आंवले का रस आंख में डालने से आंखों की रोशनी अच्छी होगी। कई रिसर्च में भी इस बात का खुलासा हुआ है कि आंवले की गुठली के सेवन से किडनी, पित्त और मूत्राशय की पथरी से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके बीज से तैयार चूर्ण हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत इस इंग्लिश खिलाड़ी पर है निर्भर है धोनी

नई दिल्ली: भारतीय कप्तान विराट कोहली अब इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं जिसकी कप्तानी इयोन मोर्गन करेंगे। जो रूट की कप्तानी में इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में हार मिली थी, लेकिन मोर्गन की टी20 और वनडे टीम को हराना विराट के लिए बड़ी चुनौती होगी। अब भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है जिसकी शुरूआत 12 मार्च यानी शुक्रवार से होगी। इस सीरीज से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्रेम स्वान ने इयोन मोर्गन की तुलना पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धौनी से की। ग्रेम स्वान ने कहा कि, जिस तरह से एम एस धौनी अपनी टीम को प्रेरित किया करते थे इयोन मोर्गन भी वैसा ही करते हैं। मोर्गन की कप्तानी में इंग्लैंड की टीम ने साल 2019 में पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता था साथ ही टी20 में भी उनका रिकॉर्ड काफी शानदार है और उन्होंने अपनी कप्तानी में खेले 54 में से 31 मैचों में जीत दर्ज की है। ग्रेम स्वान ने ये बातें स्टार स्पोर्ट्स पर कही। ग्रेम स्वान ने कहा कि, टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इंग्लैंड का फॉर्म काफी हद तक इयोन मोर्गन के फॉर्म पर निर्भर करता है। उन्होंने मोर्गन को महेंद्र सिंह दौनी जैसा ही करिश्माई कप्तान करार दिया। ग्रेम स्वान ने कहा कि इयोन मोर्गन के लिए यह सीरीज अच्छी होने वाली है। वह एक लीडर हैं और आगे बढ़कर फैसले लेते हैं। वो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं लेकिन इससे ज्यादा यह मायने रखता है कि वह मैदान पर अपने साथी खिलाड़ियों का कैसे हौसला बढ़ाते हैं। स्वान ने कहा कि, वो इंग्लैंड के लिए वही हैं जो महेंद्र सिंह धौनी भारत के लिए हुआ करते थे। वह कप्तान और लीडर हैं। उनका टीम में बहुत सम्मान है और खिलाड़ी उनके लिए जी-जान लगा देते हैं।

एक दोहरा शतक और दो शतक लगाकर पृथ्वी शॉ ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली: भारतीय ओपनर पृथ्वी शॉ ने टीम इंडिया से बाहर होने के बाद शानदार वापसी की है। विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करने उतरे इस बल्लेबाज ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। पृथ्वी ने गुरुवार को कर्नाटक के खिलाफ टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शतक बनाने के साथ यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फ्लॉप रहने के बाद टीम से बाहर किए गए पृथ्वी ने घरेलू क्रिकेट में दमदार फॉर्म दिखाया है। पुडुचेरी के खिलाफ दोहरा शतक जमाने के बाद दो शतक बनाकर इस बल्लेबाज ने दमदार वापसी की है। क्वार्टर फाइनल में 185 रन की नाबाद पारी खेलने वाले पृथ्वी ने कर्नाटक के खिलाफ सेमीफाइनल में भी शतक जमाया। इसी के साथ वह विजय हजारे ट्रॉफी के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इससे पहले मयंक अग्रवाल के नाम था लेकिन अब यह पृथ्वी ने तोड़ दिया है। कर्नाटक के खिलाफ बल्लेबाजी करने उतरे पृथ्वी ने शतकीय पारी खेली और 2018 में मयंक के बनाए 723 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। तीसरे नंबर पर मौजूदा सीजन में 673 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल हैं। चौथे नंबर पर भी उनका ही नाम है साल 2019 में पडिक्कल ने 609 रन बनाए थे।

रोहित शर्मा के साथ ये बल्लेबाज पहले टी20 में कर सकता है

पारी की शुरूआत, वीवीएस ने बताया नाम

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में खेलने उतरेगी। टेस्ट सीरीज में जीत के बाद भारत यहां भी शानदार आगाज करना चाहेगा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रोहित शर्मा के साथ भारतीय पारी की शुरूआत कौन करेगा इसको लेकर चर्चा जारी है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने बताया कि रोहित का जोड़ीदार कौन हो सकता है। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में वीवीएस ने कहा, यह एक मुश्किल सवाल है, जहां तक दूसरे ओपनर के चयन की बात है तो इसमें कोई शक नहीं कि रोहित शर्मा लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में सबसे पहले पसंद हैं। मैं अब भी केएल राहुल के साथ जाना चाहूंगा क्योंकि पिछले कुछ महीनों और सालों में मुझे लगता है कि टीम मैनेजमेंट ने केएल राहुल को बतौर ओपनर ही उतारा है। उन्होंने इस जगह पर काफी अच्छा भी किया है।शिखर धवन के बारे में बात करते हुए वीवीएस ने कहा, ह्हां, शिखर धवन ने आइपीएल में बहुत ही शानदार खेल दिखाया था। जिस तरह से उन्होंने टॉप ऑर्डर में दिल्ली कैपिटल्स के लिए बल्लेबाजी की। इसके बाद विजय हजारे में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा जहा उन्होंने शतकीय पारी भी खेली। केएल राहुल के साथ ओपनिंग जोड़ी के बारे में जब आप सोचते हैं तो दूसरा नाम यही आता है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आप अपने ओपनरों को पहचान सकते हैं जो विश्व कप में खेलेगा।

धमाकेदार फॉर्म में पृथ्वी शॉ, 12 चौके 3 छक्के से जमाया एक और आतिशी शतक

नई दिल्ली: विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में कर्नाटक के खिलाफ खेलने उतरी मुंबई के कप्तान पृथ्वी शॉ ने धमाकेदार फॉर्म जारी रखा है। क्वार्टर फाइनल में दमदार शतक जमाने वाले इस बल्लेबाज ने सेमीफाइनल में भी शतकीय पारी खेली है। महज 79 गेंद 12 चौके और 3 छक्के लगाते हुए पृथ्वी ने शतक का आंकड़ा छुआ। विजय हजारे ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में कर्नाटक के खिलाफ मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पृथ्वी ने पारी की शुरूआत आतिशी अंदाज में की। उनके साथी यशस्वी जायसवाल एक बार फिर से बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे लेकिन दूसरे छोर पर कप्तान ने रन बनाना जारी रखा। पृथ्वी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 48 गेंद पर 7 चौके और 1 छक्के की मदद से पहले अर्धशतक पूरा किया और फिर पारी को आगे बढ़ाते हुए शतक तक पहुंचाया। 79 गेंद पर 12 चौके और 3 छक्के की मदद से इस बल्लेबाज ने शतक पूरा किया।इस टूर्नामेंट में यह पृथ्वी का चौथा शतक है, इसमें उनके बल्ले से एक दोहरा शतक भी देखने को मिला है। पृथ्वी ने वैसे तो तीन शतक ही बनाया है लेकिन एक दोहरा शतक होने की वजह से शतकों की संख्या चार है। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 89 गेंद पर 105 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बाद पुडुचेरी के खिलाफ 152 गेंद पर 227 रन की खेली। क्वार्टर फाइनल में सौराष्ट्र के खिलाफ 123 गेंद पर 185 रन की बेमिसाल पारी खेली और अब सेमीफाइनल में भी सैंकड़ा जमाया। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पहले टेस्ट मैच में फ्लॉप होने के बाद पृथ्वी को टीम से बाहर कर दिया गया था। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में उनको टीम में जगह नहीं दी गई थी।

नाना पटोले बोले- अंबानी को कोई खतरा नहीं था, सहानुभूति दिलवाने के लिए बीजेपी ने उठाया धमकी मामला

मुंबईः मुकेश अंबानी के घर के पास स्कॉर्पियो में मिली जिलेटिन की छड़ों और धमकी भरे पत्र की जांच चल रही है। अब इस मुद्दे पर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बयान देते हुए कहा है कि इस घटना मुकेश अंबानी को किसी भी प्रकार के खतरे का अंदेशा नहीं था। स्कार्पियो मुकेश अंबानी के घर से तकरीबन एक किलोमीटर दूर पार्क थी।पटोले ने बताया कि मुकेश अंबानी के पास चार तरह की सुरक्षा का कवच है। उनके पास अंतरराष्ट्रीय, केंद्र सरकार , राज्य सरकार और खुद उनकी सिक्योरिटी है। ऐसे में उनको किसी प्रकार का खतरा होने की संभावना ना के बराबर है। पटोले ने कहा कि मुकेश अंबानी को शेयर मार्केट में तकरीबन दो से तीन लाख करोड़ का नुकसान हुआ है और इसी वजह से बीजेपी अंबानी को सहानुभूति दिलाने के लिए यह मुद्दा उठाकर विधानसभा का समय बर्बाद कर रही है। यही नहीं बीजेपी किसान आंदोलन के मुद्दे से भी जनता का ध्यान भटका आना चाहती है। पटोले ने बीजेपी पर इन दोनों मामलों में साजिश रचने का आरोप लगाया है। नाना पटोले ने कहा कि कृषि कानूनों को मुकेश अंबानी के फायदे के लिए बनाया गया है।

महिला दिवस पर कोल्हापुर की महिलाओं ने ध्वस्त किये दारू के अड्डे

मुंबई : 8 मार्च को सभी महिलाओं ने अपने-अपने ढंग से विश्व महिला दिवस मनाया लेकिन कोल्हापुर की महिलाओं ने इसे एक अलग अंदाज में मना कर सबको अपनी ओर आकर्षित किया है। दरअसल कोल्हापुर के अब्दुल लाट गांव की महिलाओं ने महिला दिवस के दिन गांव के आसपास मौजूद शराब के अड्डों पर रेड मारी।महिलाओं ने इन अवैध शराब के अड्डों पर पाई गई सभी शराब की बोतलों को आग के हवाले कर दिया और जमकर नारेबाजी भी की। महिलाओं का आरोप है कि इस शराब की वजह से गांव की युवा पीढ़ी नशे की शिकार होती जा रही है। जिसकी वजह से परिवारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इन महिलाओं ने सामाजिक संगठन और स्थानीय युवकों के साथ यह छापेमारी की कार्रवाई की है। महिलाओं की औचक छापेमारी से आस-पास के गांव में भी उनकी तारीफ हो रही है। इस आंदोलन का नेतृत्व कॉमरेड जयश्री पाटिल और उनकी टीमली किया था।

विधायकों को विकास के लिए मिलेंगे 4-4 करोड़ रुपये

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने विधायकों को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 4-4 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। कोरोना का हवाला देकर मंदी का रोना रोने वाली महा विकास आघाडी सरकार ने विधायकों की विकास निधि को तीन करोड़ रुपये सालाना से बढ़ाकर अब चार करोड़ रुपये कर दिया है। इसके अलावा, ई-टेंडरिंग की सीमा भी तीन लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है। साथ ही विधायकों को पूरा वेतन भी दिया जाएगा। विधायकों के वेतन में सरकार ने पहले 30 प्रतिशत की कटौती कर दी थी। बजट सत्र के अंतिम दिन बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्तमंत्री अजित पवार ने विधायकों की विकास निधि बढ़ाने की घोषणा की। इसका सभी दलों के विधायकों ने मेजें थपथपाकर जारेदार स्वागत किया। पवार ने विधानसभा में कहा कि विधायकों की विकास निधि 4 करोड़ रुपये किया जा रहा है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा ऐलान, नागपुर में 15 मार्च से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन

नागपुर। देश में कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। जिसमें पहले की तरह महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं। कोरोना के मामलों को देखते हुए राज्य की उद्धव सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए नागपुर में 15 मार्च से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा कर दी है। बता दें की नागपुर में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 1,513 नए मामले दर्ज किए गए हैं। जिसके बाद नागपुर शहर में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 2 लाख 43 हजार 726 तक पहुंच गया है। अब तक यहां 4 हजार 877 लोगों की मौत भी दर्ज की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि ठीक एक साल पहले, इसी दिन नागपुर में पहला उडश्क्क मरीज पाया गया था। महाराष्ट्र में बुधवार को 13,659 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए, जो देश के दैनिक नए मामलों का लगभग 60 प्रतिशत है।

बैंक लूटने के लिए आधी रात को खिड़की तोड़कर घुसे डकैत

अचानक बजा सायरन और फिर...

मुंबईः विदर्भ कोंकण ग्रामीण बैंक की शाखा में डकैती डालने का प्रयास किया गया है। लोहे की खिड़की को तोड़कर डकैतों ने बैंक में प्रवेश किया था लेकिन अचानक सायरन बजने से सिर्फ कंप्यूटर और मॉडेम चोरी करके डकैतों को उल्टे पांव लौटना पड़ा। यह घटना भंडारा के लाखांदुर तहसील के परसोडी इलाके में हुई है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सायरन ने प्लान पर फेरा

पानी परसोडी इलाके में रात तकरीबन 11:53 पर दो अज्ञात डकैतों ने बैंक में प्रवेश किया था। बैंक लूटने के इरादे से खिड़की तोड़कर जब लुटेरे बैंक में दाखिल हुए थे। उसके बाद डकैतों ने मैनेजर के केबिन में प्रवेश किया। जैसे ही डकैत मैनेजर की केबिन में घुसे तुरंत सायरन बजने लगा और सायरन की आवाज से डरकर चोर बैंक से भाग निकले। सायरन की आवाज से डरे डकैतों ने बैंक के सभी कंप्यूटर और मॉडेम खराब कर दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net